संदेश

स्थापना दिवस (1 फरवरी, 2023)

मेरे प्यारे-प्यारे साथियो,

अपने सहारा इंडिया परिवार के समस्त कर्तव्ययोगी कार्यकर्ता साथियों को 46वें स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं ढेरों शुभकामनाएं!

आज के इस अवसर पर मैं अपने उन सभी सम्मानित निवेशकगण, सहयोगियों, हितैषियों और शुभचिंतको को भी हृदय से बधाई देता हूं जो हमारी 45 वर्ष की लंबी यात्रा में हमारे साथ व्यावसायिक और भावनात्मक रूप से जुड़े रहे, जिन्होंने समय-समय पर हमारी कठिनाइयों को समझा, हम पर भरोसा किया और विपरीत परिस्थितियों में भी हमारा साथ दिया।

प्यारे साथियो, आप अच्छी तरह से जानते हैं कि पिछले कुछ वर्षों से हम किन हालात से गुजर रहे हैं। नियामकों के साथ हमारा जो संघर्ष चल रहा था वह हमारी अपेक्षा के अनुसार समाप्त नहीं हुआ। दूसरी ओर कोरोना ने जंहा देश की अर्थव्यवस्था को गंभीर क्षति पहुंचाई वहां हमारे उद्यमों के लिए भी गहरा संकट खड़ा कर दिया। हम ईमानदारी से प्रयासरत रहने के बावजूद वांछित परिणाम प्राप्त नहीं कर पाये। हमारा पूरा प्रयास रहा कि हम अपने सम्मानित निवेशकों के साथ-साथ अपने पूर्णकालिक और अंशकालिक कार्यकर्ताओं के हितों की रक्षा करें। इसमें हम सफल भी हुए परंतु यह कहना गलत होगा कि पूर्णतः सफल रहे।

आप यह भी जानते हैं कि हम अपने निवेशकर्ता साथियों के समक्ष पूरी ईमानदारी से बार-बार अपना पक्ष रखते रहे हैं। अपनी कानूनी लड़ाई और तद्जन्य कठिनाइयों से उन्हें लगातार अवगत कराते रहे हैं। हम उन्हें समझाते रहे हैं कि हम उनका धन समय पर उन्हें वापस क्यों नहीं कर पा रहे हैं। हमने उन्हें स्पष्ट बताया है कि हमारा रु. 25000 करोड़ सेबी के पास निष्क्रिय पड़ा है। अगर यह पैसा हमें वापस मिल जाएगा तो सबसे पहले हम अपने सम्मानित निवेशकर्ताओं का भुगतान करेंगे। हमने समझाया है कि किस तरह संस्था पर लगे

सहारा
इंडिया परिवार

सहारा शहर® लखनऊ - 226 010, भारत फैक्स : +91-522-2398174 मोबाइल : +91-9839069777

मा० सर्वोच्च न्यायालय के प्रतिबंध के कारण हमारी व्यावसायिक गतिविधियां अवरुद्ध हो गयी हैं और हम अपनी परिसंपत्तियां बेच कर भी निवेशकों का भुगतान नहीं कर सकते, क्योंकि यह पैसा हमें सहारा-सेबी खाते में जमा करना पड़ता है। हमने अपने सम्मानित निवेशकर्ता साथियों से अनुरोध किया कि वे हमारा साथ दें क्योंकि हमारा इरादा पक्के तौर पर उनका पैसा उन्हें वापस दिलाने का है। मुझे खुशी है कि बहुत बड़ी संख्या में हमारे साथियों ने हम पर भरोसा किया, हमारी कठिनाइयों को समझा और धैर्य से हमारा साथ दिया। मैं ऐसे सभी साथियों का आभारी हूं।

दूसरी ओर ऐसे लोग भी थे जो हमारी बात नहीं समझ सके। वे विचलित हो गये, उन्होंने हमारा साथ छोड़ा, हमारा विश्वास तोड़ा। ऐसे लोग निहित स्वार्थ वाले तत्वों के बहकावे में आ गये और हमारे विरुद्ध विभिन्न संस्थाओं में शिकायतें दर्ज कराने लगे। हमने उन्हें समझाने का प्रयास किया कि ऐसा करने से हमारी कठिनाइयां और अधिक बढ़ जाएंगी और उनका भुगतान बाधित हो जाएगा। हमने उदाहरण देकर बताया कि शिकायतों के आधार पर जिस भी संस्था के विरुद्ध कार्रवाई हुई और जिसे सरकार ने अधिग्रहीत किया उसके निवेशकों को वर्षों बीत जाने के बाद भी पैसा नहीं मिला। खेद है कि वे हमारी बात नहीं समझ पा रहे, वे नहीं जान पा रहे कि अपने उतावलेपन में वे बहुसंख्य निवेशकों के भुगतान के रास्ते बंद कर रहे हैं। ऐसे लोगों को समझना चाहिए था कि उनका भुगतान सहारा के अलावा कोई और नहीं करेगा और अगर सहारा ठप हो जाएगा तो कोई भी उन्हें सहारा नहीं देगा। अगर आज भी यह समझ लेते हैं तो यह उन्हीं के हित में होगा।

आज हम उन गंभीर समस्याओं से घिरे हुए हैं जिनके लिए हम जिम्मेदार नहीं हैं। ये समस्याएं हमारे सामने पैदा की गयी हैं। फिर भी हम पूरी क्षमता के साथ हालात पर नियंत्रण पाने की कोशिश कर रहे हैं। हम आज भी अपने निवेशकर्ताओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। हम सभी नियामकीय, विधायी और प्रशासकीय संस्थाओं से आग्रह कर रहे हैं कि वे हमें परेशान न करें, हमारे सामने कठिनाइयां खड़ी न करें, बल्कि हमारे साथ आयें, विचार-विमर्श करें और मिलकर ऐसा रास्ता निकालें जिससे हमारे निवेशकों को उनका भुगतान हो सके क्योंकि हम सबके लिए निवेशकों का हित ही सर्वोपरि है।

सहारा इंडिया परिवार

सहारा शहर® लखनऊ - 226 010, भारत फैक्स : +91-522-2398174 मोबाइल : +91-9839069777

आज के अवसर पर मैं सराहना करना चाहता हूं कि आप जैसे हमारे कर्मठ कर्तव्ययोगी साथी तमाम कठिनाइयों और आर्थिक परेशानियों के बावजूद अपने कर्तव्यपथ पर अग्रसर हैं। बहुत से साथी अपने-अपने तरीके से नयी उद्यमशीलता का सृजन कर रहे हैं। वे प्रयासरत हैं कि साथी कार्यकर्तागण को अधिक से अधिक राहत पहुंचा सकें ताकि उनका जीवन बाधित न हो। मैं जानता हूं कि उनकी मेहनत, निष्ठा, लगन और उनका समर्पण व्यर्थ नहीं जाएंगे और भविष्य में सकारात्मक परिणाम प्राप्त करेंगे।

अंत में, मैं यही कहना चाहूंगा कि हमें विचलित नहीं होना है। हम जहां भी छोटे या बड़े जिस भी पद पर हों, हमें मजबूती से खड़े रहना है। अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वाह करना है। हमें सामूहिक रूप से उस नकारात्मक वातावरण से लड़ना है जो हमारे विरुद्ध बनाया गया है और बनाया जा रहा है। साथ ही पूरी ईमानदारी से अपना पक्ष अपने सम्मानित निवेशकों के समक्ष प्रस्तुत करना है।

इन शब्दों के साथ एक बार पुनः आप सबको स्थापना दिवस की बधाई और अनंत शुभकामनाएं!

मेरा प्यार और मेरा आशीर्वाद सदैव आपके साथ है।

जय सहारा, सहारा प्रणाम

सहाराश्री

सहारा इंडिया परिवार

सहारा शहर® लखनऊ - 226 010, भारत फैक्स : +91-522-2398174 मोबाइल : +91-9839069777